नई पहल | गैर कृषि योग्य भूमि का हुआ उपयोग, आम की बागवानी में सब्जी लगाने से किसानों की बढ़ी आय, किसानों को दिखाई नई राह

दैनिक जागरण

आम की बागवानी के साथ हो रही सब्जी और मसाले की खेती

श्रीकांत ● बसिया

आम के बागवानी से किसानों में आर्थिक स्वावलंबन की आस जगी है। समेकित कृषि प्रणाली को किसानों ने अपनाया है।

गरीबी उन्मूलन

जिस जमीन पर आम की बागवानी की गई है उनमें सब्जी व मसाले भी उपजाने का काम किया जा रहा है। सब्जी और मसाले के सिंचाई के साथ-साथ आम के पौधों को भी सिंचाई हो रही है।

बसिया प्रखंड में आम के बागवानी से किसान आर्थिक स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। स्वयं सेवी संस्था प्रदान और महिला विकास मंडल किसानों को तकनीकी सहयोग कर रहे हैं। इस प्रखंड के दो दर्जन से अधिक गांवों में 351 एकड़ भूमि में बागवानी लगाए गए हैं। कुल 483 परिवार को आम के बागवानी से जोड़ा गया है। प्रखंड प्रशासन भी आम की बागवानी को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक और प्रेरित करने का काम कर रहा है। बीडीओ रविन्द्र कुमार गुप्ता कहते हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में पांच सौ एकड़ जमीन में आम की बागवानी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आम के बागवानी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाया जा रहा है। आम की बागवानी में ही सब्जी के फसल लगने से बसिया के लोगों को बाहर की सब्जी पर निर्भर नहीं रहना पड़ा है। इससे रोजगार भी बढ़ा है। पलायन थमा है।

केले की खेती के साथ महिला किसान ● जागरण

जिले की अन्य खबरों को देखने के लिए www.jagran.com देखें

जिन गांवों में हुई है बागवानी

सुकुरडा, आर्या, कुरुम, तेतरा, सोनमेर, लोहरी, सायटोली, सिधमा, श्रीबिरा, तिर्री, भागीडेरा, चिंतामन कुरा, टांगरजरिया, फरसामा,कुम्हारी, लुंगटू, महाराजगंज, कलिगा, सीबाटोली, सुरुडा, कुडलगा आदि शामिल हैं। सुकुरडा के किसान सुंदरपाल सिंह और उनकी पत्नी सावित्री देवी का कहना है कि आम की बागवानी में ही सब्जी की खेती की गई है। इससे आय में वृद्धि हुई है। लोहड़ी की महिला किसान तारा उरांव का कहना है कि मनरेगा से बागवानी की सुविधा मिली है। विक्टोरिया तिग्गा भी भविष्य में आर्थिक स्वावलंबन का सपना देख रही है। सबसे अहम बात यह है कि बागवानी के लिए गैर कृषि योग्य भूमि का उपयोग हो रहा था।

आम बागवानी के साथ सब्जी की खेती करता किसान ● जागरण